web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना
आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, सोमवार 28 अगस्त 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 330

महत्वपूर्ण एवं खास

भारत में 44 नए कोविड मामले दर्ज

नई दिल्ली (आरएनएस)। स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को अपने ताजा अपडेट में कहा कि भारत में 44 नए कोविड-19 मामले दर्ज किए गए हैं। 44 नए मामलों के साथ, देश में अब तक सामने आए कोविड-19 के कुल मामले 4,49,96,963 हो गए। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 45 लोग महामारी से ठीक भी हुए है, जिससे कोविड से ठीक होने वालों की कुल संख्या 4,44,63,533 हो गई। रिकवरी रेट 98.91 फीसदी है। एक्टिव केसलोड 1,502 है, और मरने वालों की संख्या 5,31,928 है। आंकड़ों के अनुसार, अब तक कोविड-19 वैक्सीन की 220.67 करोड़ से अधिक डोज दी जा चुकी हैं।

पाकिस्तान में अनियंत्रित होकर यात्री वैन पलटी, 7 लोगों की मौत; 11 गंभीर रुप से घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत के मनसेहरा जिले में अनियंत्रित होकर एक यात्री वैन पलट गई। इस हादसे में कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई और 11 अन्य गंभी रूप से घायल हो गए। रेस्क्यू सर्विस का कहना है कि दुर्घटना जिले के मांगला इलाके में हुई। चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया था जिसके कारण वैन रोड पर से उतरकर पलट गई। हादसे में कई लोग हताहत हुए हैं। रेस्क्यू सर्विस आगे ने कहा कि दुर्घटना के बाद, स्थानीय लोग और बचावकर्मी घटनास्थल पर पहुंचे और पीड़ितों को अस्पतालों में पहुंचाया। जहां उनका इलाज चल रहा है।

ऑस्ट्रेलिया में बड़ा हादसा : 20 अमेरिकी नौसैनिकों को ले जा रहा हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया में लगभग 20 अमेरिकी नौसैनिकों को ले जा रहा सैन्य हेलीकॉप्टर वी-22 ऑस्प्रे, उत्तरी ऑस्ट्रेलियाई शहर डार्विन के तट पर सैन्य अभ्यास के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। हेलीकॉप्टर दुर्घटना 01.30 जीएमटी पर मेलविले द्वीप के पास हुई। दुर्घटना के बाद कुछ नौसैनिक लापता बताये गये हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि सैन्य अभ्यास, में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, फिलीपींस और तिमोर-लेस्ते की सेना शामिल है। दुर्घटना के कारण अभ्यास को निलंबित कर दिया जाएगा।

मिशिगन में बवंडर से पांच लोगों की मौत

शिकागो। अमेरिका के मिडवेस्टर्न राज्य मिशिगन की पांच काउंटियों में भयंकर बवंडर आए। इससे पांच लोगों की मौत हो गई और बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। बीती रात राज्य की राजधानी लांसिंग में 125 मील प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाओं के साथ एक तेज़ बवंडर आया। इसमें 84 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। स्थानीय मीडिया ने शनिवार को बताया कि पश्चिमी मिशिगन में दो वाहनों के बीच आमने-सामने की टक्कर में 21 वर्षीय एक महिला और एक और तीन साल की दो लड़कियों की मौत हो गई। लैंसिंग के दक्षिण-पूर्व में इंघम काउंटी में, एक अंतरराज्यीय राजमार्ग पर 25 से अधिक वाहनों के टकराने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। तूफान के कारण मिशिगन में बिजली गुल हो गई। मिशिगन के गवर्नर ग्रेचेन व्हिटमर ने शुक्रवार को वेन और मोनरो काउंटियों के लिए आपातकाल की घोषणा की।

ड्रोन अटैक से मॉस्को में फैली दहशत, 3 एयरपोर्ट किए गए बंद

मास्को। रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष जारी है। मॉस्को पर एक ड्रोन हमले के कारण यहां के तीन प्रमुख हवाई अड्डों को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा। ड्रोन हमले के लिए यूक्रेन को जिम्मेदार ठहराया गया है। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने कहा कि मॉस्को क्षेत्र के इस्तरा जिले के ऊपर वायु रक्षा प्रणालियों द्वारा एक ड्रोन को मार गिराया गया। टीएएसएस मॉस्को के तीन प्रमुख हवाईअड्डों शेरेमतयेवो, डोमोडेडोवो और वनुकोवो ने उड़ानें निलंबित कर दीं। रूसी सेना ने इस सप्ताह के दौरान रूसी क्षेत्र पर बार-बार यूक्रेनी ड्रोन और मिसाइल हमलों की सूचना दी है। टेलेग्राम पर एक पोस्ट में कहा गया कि अभी तक किसी के हताहत होने या किसी नुकसान की सूचना नहीं है। शेरेमेतेवो, दोमोदेदोवो और व्यनुकोवो हवाई अड्डों पर शनिवार सुबह करीब एक घंटे के लिए संचालन बंद रहा।

चंद्रयान-3 के चांद पर सफल लैंडिंग के बाद अब सूर्य व शुक्र ग्रह पर जाने की तैयारी, इसरो प्रमुख ने दिए संकेत

नई दिल्ली (आरएनएस)। चंद्रयान-3 के चांद पर सफल लैंडिंग के बाद पूरे देश को इसरो पर गर्व है। इसी बीच इसरो अध्यक्ष एस सोमनाथ ने कहा है कि भारत स्पेस सेक्टर में और भी कई बुलंदियां छू सकता है, जिसके लिए उन्हें निवेश की और सहयोग की जरूरत है। दरअसल, मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए एस सोमनाथ ने कहा, भारत के पास चंद्रमा, मंगल और शुक्र की यात्रा करने की क्षमता है, लेकिन हमें अपना आत्मविश्वास बढ़ाने की जरूरत है। हमें और अधिक निवेश की आवश्यकता है और अंतरिक्ष क्षेत्र का विकास होना चाहिए। इससे पूरे देश का विकास होना चाहिए, यही हमारा मिशन है। हम उस विजन को पूरा करने के लिए तैयार हैं, जो पीएम मोदी ने हमें दिया था।

इसरो की ओर से चंद्रयान-3 के सफल मिशन के बाद सूर्य मिशन की तैयारियां शुरू हो गई हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के प्रमुख एस सोमनाथ ने शनिवार को कहा कि देश का पहला सौर मिशन आदित्य-एल1 तैयार है और इसे सितंबर के पहले सप्ताह में लॉन्च किया जाएगा।

उन्होंने कहा, आदित्य- एल1 उपग्रह तैयार है। यह श्रीहरिकोटा पहुंच गया है और पीएसएलवी से जुड़ गया है। इसरो का अगला लक्ष्य इसका प्रक्षेपण करना है। प्रक्षेपण सितंबर के पहले सप्ताह में होगा। तारीख की घोषणा दो दिनों के भीतर की जाएगी। आदित्य-एल1 उपग्रह प्रक्षेपण के बाद अण्डाकार कक्षा में जाएगा और वहां से वह एल1 बिंदु तक यात्रा करेगा, जिसमें लगभग 120 दिन लगेंगे।

चंद्रमा में तापमान में है बहुत बड़ा अंतर : तेजी से घटता और बढ़ता है तापमान

नई दिल्ली (आरएनएस)। चंद्रयान 3 मिशन की कामयाबी की इबारत के क्रम में आज एक और अच्छी खबर सामने आई है। विक्रम लैंडर पर लगे ChaSTE (चंद्रमा की सतह थर्मोफिजिकल एक्सपेरिमेंट) Payload पहली बार ऑब्जरवेशन आए सामने आए हैं। ChaSTE चंद्रमा की सतह के थर्मल व्यवहार यानि तापमान संबंधी गतिविधियों को समझने के लिए है, जो चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव की ऊपरी मिट्टी के तापमान प्रोफाइल को मापता है। इसमें एक नियंत्रित प्रवेश तंत्र से सुसज्जित तापमान जांच है जो सतह के नीचे 10 सेमी की गहराई तक पहुंचने में सक्षम है। जांच में 10 अलग अलग

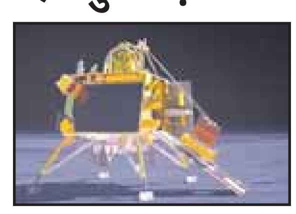

तापमान सेंसर लगे हैं।

प्रस्तुत ग्राफ विभिन्न गहराई पर चंद्र सतह/सतह के तापमान में भिन्नता को दर्शाता है, जैसा कि जांच के प्रवेश के दौरान दर्ज किया गया था। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के लिए यह पहली ऐसी प्रोफ़ाइल है। इसका विस्तृत ऑब्जरवेशन चल रहा है। पेलोड को अंतरिक्ष भौतिकी प्रयोगशाला (एसपीएल), वीएसएससी के नेतृत्व वाली एक टीम द्वारा विकसित किया गया है। यहां विक्रम लैंडर पर चाएसटीई पेलोड के पहले ऑब्जरवेशन हैं।

बता दें कि चंद्रमा में तापमान में बहुत बड़ा अंतर है और यहां तेजी से तापमान घटता और बढ़ता है। चंद्र दक्षिणी ध्रुव में सूर्य क्षितिज के नीचे या ठीक ऊपर मंडराता है, जिससे सूर्य की रोशनी की अवधि के दौरान तापमान 130 डिग्री फ़ारेनहाइट (54 डिग्री सेल्सियस) से ऊपर हो जाता है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, रोशनी की इन अवधियों के दौरान भी ऊंचे पहाड़ काली छाया डालते हैं और गहरे गड्ढे अपनी गहराइयों में शाश्वत अंधेरे की रक्षा करते हैं। इनमें से कुछ क्रेटर स्थायी रूप से छाया वाले क्षेत्रों के घर हैं, जिन्होंने अरबों वर्षों में दिन का उजाला नहीं देखा है, जहां तापमान -334 डिग्री फ़ारेनहाइट से -414 डिग्री फ़ारेनहाइट (-203 डिग्री सेल्सियस से -248 डिग्री सेल्सियस) तक होता है।

चंद्रमा प्रत्येक 27.322 दिन में एक बार हमारे ग्रह के चारों ओर चक्कर लगाता है। चंद्रमा पृथ्वी के साथ ज्वारीय रूप से घिरा हुआ है, जिसका अर्थ है कि जब भी यह तुल्यकालिक घूर्णन करता है तो यह अपनी धुरी पर ठीक एक बार घूमता है। भारत ने चंद्रमा के रहस्यों का पता लगाने और समझने और इसका उपयोग बाहरी अंतरिक्ष में आगे जाने वाले मिशनों के लिए को और बेहतर बनाने के लिए भी करना है।

पश्चिम बंगाल में अवैध पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट, छह लोगों की मौत- कई घर भी क्षतिग्रस्त

दत्तपुकुर (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल के दत्तपुकुर में रविवार सुबह एक बड़ा हादसा हुआ है। यहां एक पटाखा फैक्ट्री में जबरदस्त विस्फोट हुआ है। इस धमाके में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई लोग घायल भी बताए जा रहे है। सूत्रों के अनुसार जिस पटाखा फैक्ट्री में धमाका हुआ है, वह अवैध है।

इस धमाके से कई घरों को भी नुकसान हुआ है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस पार्टी और बचाव दल ने मौके पर पहुंचकर राहत व बचाव कार्य शुरू कर दिए है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पास्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल भिजवा दिया है। फिलहाल धमाके के कारणों का पता नहीं चल पाया है। इस धमाके में मरने वालों की संख्या में इजाफा हो सकता है।

बता दें कि इससे पहले मेदिनीपुर जिले के एगरा में मई के महीने में एक अवैध पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट हो गया था। इस घटना में 9 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हुए थे। एगरा इलाका ओडिशा सीमा राज्य की सीमा के नजदीक है।

टेंडर धोखाधड़ी मामला : सीबीआई ने आईआईटीएम अधिकारियों, निजी फर्म के खिलाफ दर्ज की एफआईआर

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने कहा है कि मुंबई स्थित एक निजी फर्म, जिसने डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड के मूल उपकरण निर्माता (ओईएम) होने का दावा किया था, वास्तव में एलईडी पैनल और अन्य इलेक्ट्रॉनिक पार्ट्स चीन से आयात करती थी। सीबीआई ने कहा कि फर्म के अधिकारियों ने अहमदाबाद (एसएएफएआर-अहमदाबाद) के लिए वायु गुणवत्ता और मौसम पूर्वानुमान और अनुसंधान को अत्यधिक कीमतों पर बेचा।

एजेंसी ने आईआईटीएम, पुणे के अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है, जिसमें

'वैज्ञानिकजी' कहे जाने वाले गुफरान बेग और अन्य अधिकारी भी शामिल हैं। उन पर उपरोक्त फर्म को टेंडर देकर और बाद में पूर्ण भुगतान को मंजूरी देकर उसका पक्ष लेने की साजिश रचने का आरोप है। सीबीआई ने कहा कि अहमदाबाद (एसएएफएआर-अहमदाबाद) के लिए वायु गुणवत्ता और मौसम पूर्वानुमान और अनुसंधान प्रणाली के लिए डिजिटल डिस्प्ले सिस्टम (डीडीएस) के लिए निविदा जारी की गई थी।

सीबीआई ने कहा कि विश्वसनीय जानकारी मिली थी कि 2015-16 के दौरान गुफरान बेग, 'वैज्ञानिकजी' और अन्य अधिकारियों सहित आईआईटीएम के अधिकारियों ने वीडियो वॉल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई के निदेशक अनिल गिरकर के साथ साजिश रची थी। सीबीआई ने कहा, उन्होंने डिजिटल डिस्प्ले सिस्टम के लिए वीडियो वॉल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को टेंडर दिया। लिमिटेड के आरोपों में कहा गया है कि उन्होंने निविदा के नियमों और शर्तों के साथ-साथ आवश्यक वस्तु विनिर्देशों को कमजोर कर दिया।

सीबीआई ने कहा कि अनिल गिरकर ने आउटडोर डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड के लिए बेईमानी से चीन से पचास लाख रुपये से अधिक की घटिया चीजें आयात कीं। इसके बाद उन्होंने आईआईटीएम को अत्यधिक ऊंची दरों पर इनकी आपूर्ति की, जिसकी कुल कीमत लगभग दो करोड़ रुपये थी। सीबीआई ने कहा कि आईआईटीएम अधिकारियों ने कथित तौर पर वीडियो वॉल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को भुगतान जारी किया। लिमिटेड ने उचित निरीक्षण के बिना, भले ही आइटम निर्दिष्ट निविदा आवश्यकताओं को पूरा नहीं करते थे।

छत्तीसगढ़ी भाषा और संस्कति को देश-विदेश में मिल रहा पहचान

0 छत्तीसगढ़ियों ने लंदन में "हाय.. डारा लोर गेहे रे" की धुन पर किया नृत्य

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढिय़ा सबले बढिय़ा.. यूं ही नहीं कहा जाता। छत्तीसगढ़ और यहां के रीति-रिवाज की धमक अब विदेशों में भी देखने को मिल रही है। जी हां, लंदन की धरती पर भारतीय स्वतंत्रता की वर्षगांठ बड़े ही धूमधाम से मनाई गई। हाय..डारा लोर गेहे रे.. के साथ लाली परसा बन म फुले और मउंहा झरे रे.. जैसे ख्यातनाम छत्तीसगढ़ी गीतों पर यहां के लोगों ने छत्तीसगढ़ मूल के रहवासियों के साथ नृत्य किया। भारतीय स्वतंत्रता की याद में आयोजित विदेशी धरती के समारोह में तिरंगा फहराने छत्तीसगढिय़ों ने एक-दूसरे को बधाई दी, मिठाईयां बांटी। समारोह में छत्तीसगढ़ी संस्कृति और समृद्धि का बेजोड़ प्रस्तुतिकरण किया गया। लंदन में आयोजित

इस समारोह के आयोजन में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का अद्वितीय योगदान रहा, आयोजकों ने मुख्यमंत्री के सहृदयता के लिए आभार संदेश भेजा है।

कार्यक्रम में महिलाएं पारम्परिक वेशभूषा में संस्कृति को सहेजने की सन्देश पूरी दुनिया को दे रही है। गले में कटली मोहर, कान में खुटी, हाथ और भुजा में नागमोरी बहुटा पहुची और कलाई में आईठी चुरिया, माथे पर बिंदी लगाकर छत्तीसगढ़ महतारी के प्रति अपनी अपार श्रद्धा व प्रेम व्यक्त करती दिखाई दीं। इस दौरान छत्तीसगढ़ी लोकगीत हाय डारा लोर गे हे रे..मउंहा झरे रे मउंहा झरे रे जैसे गानों को सुनकर सभी लोक नृत्य करते हुए अपनी सांस्कृतिक परंपरा के संवाहक बने थे।

कार्यक्रम की शुरुआत फ्लैग होस्टिंग से हुई। भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी ने ध्वजारोहण किया और उसके बाद राष्ट्रगान गाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग आए थे।

छत्तीसगढ़ राज्य का स्टाल लोगों को किया आकर्षित

भारत के विभिन्न राज्यों जैसे छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, पंजाब, गुजरात, तमिलनाडु से एनआरआई और प्रवासी नागरिकों ने अपने स्टॉल लगाए। छत्तीसगढ़ का स्टॉल सर्वाधिक लोकप्रिय रहा। छत्तीसगढ़ पीपल्स एसोसिएशन ने आगंतुकों को छत्तीसगढ़ के पर्यटक आकर्षणों, यहां के प्राकृतिक संसाधनों और निवेश के अवसरों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ पर्यटन का वीडियो दिखाया गया। भारत के उच्चायुक्त ने छत्तीसगढ़ स्टाल का दौरा किया और प्राकृतिक सुंदरता से आश्चर्यचकित हुए।

छत्तीसगढ़ कलाओं का किया प्रदर्शन

छत्तीसगढ़ी टसर सिल्क साड़ी, सोपा, कोसा साड़ी, बस्तर डोखरा, टेराकोटा शिल्प, लकड़ी और बांस शिल्प, बड़ी, दही वाली मिर्ची जैसी छत्तीसगढ़ी कलाएँ प्रदर्शित की गईं जो बहुत लोकप्रिय रहीं। छत्तीसगढ़ पीपुल्स एसोसिएशन ने आगंतुकों को छत्तीसगढ़ की कॉफी और चाय के बारे में बताया। उन्होंने छत्तीसगढ़ पर्यटन स्थलों के बारे में जानकारी देने वाले पत्रक का भी वितरित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए छत्तीसगढ़ पीपुल्स एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, सीजी टूरिज्म बोर्ड, जनसंपर्क विभाग को उनके प्रोत्साहन और समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया।

मुंबई के सांताक्रूज इलाके के गैलेक्सी होटल में लगी भीषण आग, 3 लोगों की मौत; 8 बुरी तरह झुलसे

मुंबई (आरएनएस)। मुंबई के सांताक्रुज इलाके में स्थित गैलेक्सी होटल में आग लग गई, आग की इस घटना से वहां अफरा-तफरी मच गई, बताते हैं कि इस हादसे में 3 लोगों की झुलकर मौत हो गई वहीं 8 लोग बुरी तरीके से झुलस गए हैं, आग की लगने की सूचना मिलने के बाद मौके पर फायर ब्रिगेड की गाडिय़ां पहुंच गई हैं।

फायर ब्रिगेड की कई गाडिय़ां मौके पर आग को बुझाने की कोशिशों में जुटी हैं, वहीं गैलेक्सी होटल के बाकी हिस्से को खाली करा दिया गया है, आग किस वजह से लगी इसका पता नहीं चल सका है। दोपहर में लगी आग देखते ही देखते होटल का बड़ा इलाका आग की चपेट में आ गया और हादसे में 3 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई।

मुंबई फायर ब्रिगेड के मुताबिक होटल में यह आग तीसरे माले पर स्थित कमरा नंबर 103 और 203 में लगी थी, आग की वजह शॉर्ट सर्किट को बताया जा रहा है जिससे कमरे में लगे एसी यूनिट, पर्दे, गद्दे, फर्नीचर के सामान जल गए।

पढ़ने-पढ़ाने का तरीका : परीक्षा, क्लासरूम, यूनिफार्म, असेंबली में होगा बदलाव

नई दिल्ली (आरएनएस)। स्कूलों की बोर्ड परीक्षाएं साल में दो बार होंगी। स्कूली शिक्षा में ऐसे कई और बदलाव होने हैं। इसके लिए 'नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क' तैयार किया गया है। यह बताएगा कि कक्षा 1 से 12वीं तक छात्र क्या पढ़ेंगे, कैसे पढ़ेंगे, छात्रों को स्कूलों में पढ़ाने सिखाने का तरीका क्या होगा।

बारीकी से तैयार किए गए इस दस्तावेज में यह तक बताया गया है कि स्कूलों की असेंबली कैसे होंगी, स्कूल बैग का भार कैसे कम होगा, किताबें कैसी होंगी और विभिन्न कक्षाओं में पढऩे वाले छात्रों के मूल्यांकन का आधुनिक तरीका क्या होगा। नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क की बात करें तो देशभर के स्कूलों की यूनिफार्म में काफी विविधता देखने को मिल सकती है।

मसलन देश के साथ इलाकों में यूनिफार्म अलग तरह की हो सकती है। गर्म इलाकों के लिए अलग यूनिफॉर्म डिजाइन किए जाने का प्रस्ताव है।

फ्रेमवर्क में कहा गया है कि स्थानीय मौसम के अनुकूल स्कूलों की यूनिफार्म तैयार की जाए। छात्रों को लिंग समानता के आधार पर यूनिफार्म का चुनाव करने का विकल्प भी दिया जा सकता है। गौरतलब है कि अभी तक कुछ खास स्कूलों की यूनिफार्म के आधार पर अधिकांश स्कूल वैसी ही यूनिफॉर्म को कॉपी करते दिखाई पड़ते हैं।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय का मानना है कि नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क (एनसीएफ) को केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने पिछले सप्ताह ही जारी किया है। यह फ्रेमवर्क बीते 36 वर्षों से जारी शिक्षा प्रणाली को बदलेगा। करिकुलम फ्रेमवर्क में कक्षा के आकार, डिजाइन व छात्रों की बैठने की व्यवस्था का भी जिक्र है।

फ्रेमवर्क में कहा गया है कि कक्षा में छात्र गोलाकार आकार या अर्ध गोलाकार आकार में बैठ सकते हैं। इसके साथ ही स्कूलों की असेंबली प्रक्रिया को केवल एक रस्म अदायगी की बजाए अर्थपूर्ण व सिखाने वाली प्रक्रिया में परिवर्तित करने की सिफारिश की गई है।

वहीं मूल शिक्षा प्रणाली की बात करें तो नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क सेकेंडरी स्तर को चार अलग-अलग हिस्सों 9वीं, 10वीं, 11वीं और 12वीं में विभाजित करता है। इसमें छात्रों को कुल 16 विकल्प आधारित पाठ्यक्रमों को पूरा करना होगा। सेकेंडरी स्तर पर छात्रों को प्रत्येक स्तर के लिए 16 टेस्ट देने होंगे। 11वीं-12वीं में छात्रों को 8 विषयों में से हर ग्रुप के दो-दो विषय यानी कुल 16 विषय दो साल के दौरान पढऩे होंगे।

वहीं छात्रों को साल में दो बार होने वाली बोर्ड परीक्षाओं में से अपने सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाए रखने की अनुमति होगी।केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक अब बोर्ड परीक्षाओं का उद्देश्य छात्रों में विषयों की समझ का मूल्यांकन करना होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इस नई पद्धति से कोचिंग और याद रखने की आवश्यकता में कमी आएगी।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने बताया कि इसके अलावा, 11वीं और 12वीं कक्षा में पढ़ाई के दौरान विषयों का चयन सीमित नहीं रहेगा। छात्रों को 11वीं और 12वीं कक्षा में अपनी पसंद के विषय चुनने की सुविधा मिलेगी।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक कक्षा 11 और 12 के छात्रों को कम से कम दो भाषाएं पढऩी होंगी। मंत्रालय का कहना है कि 11वीं और 12वीं कक्षा में पढ़ाई जाने वाली इन भाषाओं में से एक भारतीय भाषा होनी चाहिए। यह इसरो के पूर्व अध्यक्ष के कस्तूरीरंगन की अगुआई में 12 सदस्यीय संचालन समिति द्वारा तैयार किया गया है।

सिफारिशों को अपनाने के बाद एक बड़ा बदलाव होगा। गौरतलब है कि शिक्षा मंत्रालय द्वारा गठित नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क के चार स्टेज हैं। इनमें फाउंडेशन, प्रीप्रेट्री, मिडिल और सेकेंड्री स्टेज शामिल हैं।

एनसीएफ के मुताबिक करिकुलम तैयार करने में शिक्षा बोर्डों की कोई भूमिका नहीं होनी चाहिए। एनसीएफ में वोकेशनल, आर्ट्स, फिजिकल एजुकेशन को करिकुलम का अभिन्न अंग माना गया है। इसके लिए बोर्डों को इन एरिया के लिए हाई क्वालिटी टेस्ट सिस्टम को तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।